चम्पारण ज्ञानाग्रह

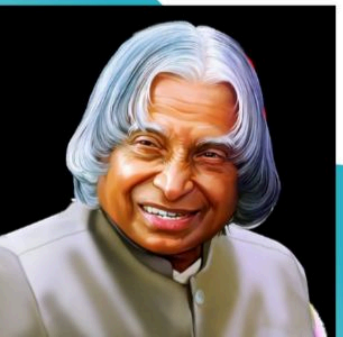
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 20 नवंबर 2026, अंक –398.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"एक बुरा साथी एक जंगली जानवर से ज्यादा खतरनाक होता है।" — बुद्ध



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार



अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Friday Prayer

लब पे आती है दुआ बनके तमन्ना मेरी,
जिंदगी शम्मे की सूरत हो खुदाया मेरी।

हो मेरे दम से यूं ही मेरे वतन की ज़ीनत,
जिस तरह फूल से होती है चमन की ज़ीनत।

जिंदगी हो मेरी परवान की सूरत या रब,
इल्म की शम्मा से हो मुझको मोहब्बत या रब।

हो मेरा काम ग़रीबों की हिमायत करना,
दर्दमंदों से जइफों से मोहब्बत करना।

मेरे अल्लाह बुराई से बचना मुझको,
नेक जो राह हो उस रह पे चलाना मुझको।

-मोहम्मद आलम इक़बाल

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. ताजिकिस्तान की राजधानी क्या है?
उत्तर: दुशांबे
प्रश्न 2. पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला कौन हैं?
उत्तर: अवनी लेखरा।
प्रश्न 3. 'जट-जटिन' बिहार के किस क्षेत्र का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: मिथिला एवं कोसी क्षेत्र।
प्रश्न 4. 90° से अधिक और 180° से कम माप वाले कोण को क्या कहते हैं?
उत्तर: अधिक कोण
प्रश्न 5. पटना में स्थित खुदा बख्श ओरिएंटल पब्लिक लाइब्रेरी आम जनता के लिए किस वर्ष खोली गई थी?
उत्तर: 1891 ईस्वी।
प्रश्न 6. किस स्थलीय स्तनधारी जीव का गर्भकाल लगभग 22 महीने होता है?
उत्तर: हाथी
प्रश्न 7. सुरक्षित लिफ्ट (सेफ्टी एलिवेटर) के विकास का श्रेय किस आविष्कारक को दिया जाता है?
उत्तर: एलिशा ओटिस।
प्रश्न 8. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में पंचायतों में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान है?
उत्तर: अनुच्छेद 243D
प्रश्न 9. 'आर्द्र' शब्द का विलोम क्या है?
उत्तर: शुष्क
प्रश्न 10. गीले हाथों से बिजली का स्विच छूना खतरनाक क्यों है?
उत्तर: विद्युत झटके का खतरा

संकलन:-



पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Agriculture - एग्रीकल्चर - कृषि
2. Cultivation - कल्टिवेशन - खेती / कृषि करना
3. Irrigation Canal - इरिगेशन कैनाल - सिंचाई नहर
4. Plough - प्लाउ - हल
5. Sickle - सिकिल - हँसिया
6. Granary - ग्रैनरी - अनाज भंडार
7. Threshing - थ्रेशिंग - फसल की मड़ाई



संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "What are we going to + V1?"
(हम क्या ... करने वाले हैं?)
हम आज कौन-सा खेल खेलने वाले हैं? – What game are we going to play today?
हम इस समस्या का समाधान कैसे निकालने वाले हैं? – What are we going to do to solve this problem?
हम मेहमानों के लिए क्या बनाने वाले हैं? – What are we going to make for the guests?
हम विज्ञान प्रदर्शनी में क्या दिखाने वाले हैं? – What are we going to show at the science exhibition?
हम अगले सप्ताह क्या सीखने वाले हैं? – What are we going to learn next week?



संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

अनुभाग-3

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 20 नवंबर को संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1989 में 'बाल अधिकार समझौते' (UNCRC) को अंगीकार किए जाने की स्मृति में विश्व भर के बच्चों के कल्याण, शिक्षा और संरक्षण हेतु कौन-सा दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: विश्व बाल दिवस (World Children's Day)
व्याख्या: संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिवर्ष 20 नवंबर को 'विश्व बाल दिवस' (World Children's Day) मनाया जाता है। 20 नवंबर 1959 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बाल अधिकारों की घोषणा को अपनाया था और ठीक 30 वर्ष बाद 20 नवंबर 1989 को ऐतिहासिक 'बाल अधिकार अभिसमय' (UN Convention on the Rights of the Child - UNCRC) पारित किया। भारत ने 11 दिसंबर 1992 को इस संधि का अनुसमर्थन किया। यह दिवस प्रत्येक बच्चे के जीवित रहने, निःशुल्क व अनिवार्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने, बाल श्रम और शोषण से सुरक्षा पाने तथा अपने विचार व्यक्त करने के मौलिक अधिकारों को सुनिश्चित करने का वैश्विक संकल्प है।
संदर्भ: United Nations Convention on the Rights of the Child (UNCRC) 1989; UNICEF India Official Portal;

प्र.2. हाल ही में भारत सरकार द्वारा देश की जैव-अर्थव्यवस्था (Bio-economy) और हरित विनिर्माण को गति देने हेतु किस महत्वाकांक्षी नीतिगत ढांचे के क्रियान्वयन चरण को राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाया गया है? (समसामयिक घटना)
उत्तर: बायोई3 नीति (BioE3 — अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोजगार के लिए जैव प्रौद्योगिकी)
व्याख्या: भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT) द्वारा 'बायोई3' (BioE3: Biotechnology for Economy, Environment and Employment) नीति का क्रियान्वयन तीव्र किया गया है। इसका मुख्य लक्ष्य उच्च-प्रदर्शन वाले जैव-विनिर्माण (Biomanufacturing) को बढ़ावा देना है, जिसके अंतर्गत रासायनिक आधारित उद्योगों को टिकाऊ जैव-आधारित विकल्पों (जैसे बायो-पॉलिमर, सटीक जैव-चिकित्सा, जलवायु-अनुकूल कृषि और कार्बन कैप्चर तकनीक) में परिवर्तित किया जा रहा है। यह नीति देश में नए बायो-हब स्थापित करने, ग्रामीण युवाओं के लिए हरित रोजगार सृजित करने और 'नेट-ज़ीरो' कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।
संदर्भ: Department of Biotechnology (DBT), Ministry of Science & Technology Press Releases; PIB New Delhi;

प्र.3. आधुनिक हिंदी साहित्य में आंचलिक कथा परंपरा के सशक्त हस्ताक्षर नागार्जुन (बाबा नागार्जुन) द्वारा मिथिला के मल्लाह (मछुआरा) समाज के संघर्ष, लोक-संस्कृति और सामाजिक बदलाव पर रचित प्रसिद्ध उपन्यास कौन-सा है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: वरुण के बेटे (1957)
व्याख्या: 'वरुण के बेटे' (1957) जनकवि और कथाकार बाबा नागार्जुन (वैद्यनाथ मिश्र) द्वारा रचित एक अत्यंत संवेदनशील और यथार्थवादी आंचलिक उपन्यास है। इस उपन्यास की कथा बिहार के मिथिलांचल (दरभंगा) के 'गढ़पोखर' के किनारे बसने वाले मेहनतकश मल्लाह (मछुआरा) समुदाय के जीवन-संघर्ष पर आधारित है। नागार्जुन ने इसमें दिखाया है कि कैसे सदियों से जमींदारों और शोषक वर्ग द्वारा सताए जाने वाले मछुआरे सामूहिक संगठन (मत्स्यजीवी सहयोग समिति) बनाकर अपने पारंपरिक जल-अधिकारों के लिए संघर्ष करते हैं और विजयी होते हैं। इसमें मिथिला की लोक-भाषा, पर्व-त्योहार और श्रम की गरिमा का अत्यंत जीवंत चित्रण मिलता है।
संदर्भ: बाबा नागार्जुन — 'वरुण के बेटे', राजकमल प्रकाशन; NCERT Hindi Class 11 व 12 साहित्य

प्र.4. किसी पारिस्थितिक तंत्र में जब दो भिन्न प्रजातियाँ एक ही सीमित संसाधन (जैसे भोजन, जल या प्रकाश) के लिए परस्पर संघर्ष करती हैं, तो समान पारिस्थितिक निकेत (Ecological Niche) वाली दो प्रजातियाँ अनिश्चित काल तक एक साथ नहीं रह सकतीं; पारिस्थितिकी के इस सिद्धांत को क्या कहा जाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: गॉस का प्रतिस्पर्धी अपवर्जन सिद्धांत (Gause's Competitive Exclusion Principle)
व्याख्या: रूसी जीवविज्ञानी जी. एफ. गॉस (G. F. Gause) ने वर्ष 1934 में प्रयोगशाला में पैरामीशियम की दो प्रजातियों पर प्रयोग कर 'प्रतिस्पर्धी अपवर्जन सिद्धांत' प्रतिपादित किया। इस सिद्धांत के अनुसार, यदि दो निकट संबंधी प्रजातियाँ समान सीमित संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं, तो वे अनंत काल तक एक ही आवास में सह-अस्तित्व में नहीं रह सकतीं; अंततः जो प्रजाति संसाधनों के दोहन में अधिक दक्ष होती है, वह दूसरी कम दक्ष प्रजाति को उस क्षेत्र से विलुप्त या विस्थापित कर देती है। उदाहरण के लिए, गैलापागोस द्वीप समूह में बकरियों के लाए जाने के बाद उनकी अधिक चराई दक्षता के कारण स्थानीय 'एबिंगडन कछुआ' (Abingdon Tortoise) एक दशक के भीतर विलुप्त हो गया।
संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 13 "जीव और समष्टियाँ" (Organisms and Populations - Competition), p. 234–236;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उत्तर प्रदेश के जालौन (कालपी) और बांदा क्षेत्र में ब्रिटिश सेना से लोहा लेने वाले तथा नाना साहेब व रानी लक्ष्मीबाई के विश्वस्त सहयोगी रहे नवाब कौन थे? (इतिहास)
उत्तर: नवाब अली बहादुर द्वितीय (बांदा के नवाब)
व्याख्या: नवाब अली बहादुर द्वितीय (बांदा रियासत के शासक) 1857 के राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम में बुंदेलखंड क्षेत्र के एक प्रमुख स्तंभ थे। वे बाजीराव प्रथम और मस्तानी के वंशज थे, जिस कारण पेशवा नाना साहेब और रानी लक्ष्मीबाई उन्हें अपना भाई मानते थे। जून 1857 में विद्रोह भड़कने पर नवाब अली बहादुर ने बांदा में ब्रिटिश शासन को समाप्त कर स्वतंत्रता की घोषणा की और हिंदू-मुस्लिम सद्भाव की मिसाल पेश करते हुए रक्षाबंधन पर रानी लक्ष्मीबाई के संदेश पर अपनी सेना सहित कालपी में अंग्रेजों के विरुद्ध युद्ध किया। अप्रैल 1858 में जनरल ह्विटलॉक की विशाल ब्रिटिश सेना ने बांदा पर आक्रमण किया; भीषण युद्ध के बाद नवाब ने ग्वालियर तक संघर्ष जारी रखा।
संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", p. 53–57;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. हिमालय पर्वत श्रृंखला के ट्रांस-हिमालय और वृहद हिमालय क्षेत्र में लद्दाख की जांस्कर घाटी में बहने वाली वह कौन-सी प्रसिद्ध नदी है, जो शीत ऋतु में पूरी तरह जम जाती है और जिस पर साहसिक 'चादर ट्रेक' (Chadar Trek) आयोजित होता है? (भूगोल)

उत्तर: जांस्कर नदी (Zanskar River)

व्याख्या: जांस्कर नदी सिंधु नदी (Indus River) की एक प्रमुख बाईं तटवर्ती सहायक नदी है, जो लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश में प्रवाहित होती है। इसका उद्गम हिमालय की महान पर्वत श्रृंखला के उत्तर-पूर्वी भाग से दो मुख्य धाराओं (डोडा और लुंगनाक) के संगम से होता है। यह एक अत्यंत गहरी और संकरी घाटी (Zanskar Gorge) से बहती हुई लेह के निकट 'निम्मू' (Nimmu) नामक स्थान पर सिंधु नदी में मिल जाती है। अत्यधिक ठंड के कारण सर्दियों में इस नदी की ऊपरी सतह मोटी बर्फ की चादर में तब्दील हो जाती है, जो सदियों से जांस्कर के ग्रामीणों के लिए शेष दुनिया से जुड़ने का एकमात्र पैदल मार्ग रही है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 18–20; NCERT Class

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद उच्चतम न्यायालय (Supreme Court) को अपने द्वारा सुनाए गए किसी निर्णय या दिए गए आदेश का 'पुनरावलोकन' (Review of Judgments or Orders) करने की शक्ति प्रदान करता है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 137 (Article 137)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-V में संघ की न्यायपालिका के अंतर्गत 'अनुच्छेद 137' सर्वोच्च न्यायालय की न्यायिक पुनरीक्षण (Review Jurisdiction) शक्ति को स्थापित करता है। इसके अनुसार, संसद द्वारा बनाई गई किसी विधि या अनुच्छेद 145 के अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अधीन रहते हुए, उच्चतम न्यायालय को अपने द्वारा सुनाए गए किसी निर्णय या किए गए आदेश का पुनरावलोकन करने की शक्ति होगी। यदि किसी निर्णय में कोई प्रत्यक्ष विधिक त्रुटि हो या कोई नया महत्वपूर्ण साक्ष्य सामने आए, तो इस अनुच्छेद के तहत समीक्षा याचिका (Review Petition) दायर की जा सकती है, ताकि न्यायिक भूल को सुधारा जा सके।

संदर्भ: Constitution of India, Part V, Article 137; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: [illegible]), Ch 6 "न्यायपालिका", p. 134–138;

प्र.8. पौधों की पत्तियों में पाया जाने वाला वह कौन-सा सूक्ष्म छिद्र (Pore) है, जो दो वृक्काकार (किडनी के आकार की) 'द्वार कोशिकाओं' (Guard Cells) से घिरा होता है और प्रकाश संश्लेषण के लिए गैसों के आदान-प्रदान तथा वाष्पोत्सर्जन (Transpiration) को नियंत्रित करता है? (विज्ञान)

उत्तर: रंध्र (स्टोमेटा / Stomata)

व्याख्या: पत्तियों की बाह्य त्वचा (Epidermis) की सतह पर उपस्थित सूक्ष्म छिद्रों को 'रंध्र' (Stomata) कहा जाता है। प्रत्येक रंध्र दो विशिष्ट 'द्वार कोशिकाओं' (Guard Cells) से घिरा होता है। रंध्रों के दो अत्यंत महत्वपूर्ण जैविक कार्य हैं: (1) प्रकाश संश्लेषण और श्वसन के लिए वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) ग्रहण करना और ऑक्सीजन (O_2) बाहर निकालना; (2) वाष्पोत्सर्जन (Transpiration) की प्रक्रिया द्वारा पौधे से अतिरिक्त जल को जलवाष्प के रूप में बाहर निकालना, जिससे पौधों में जल के ऊपर चढ़ने (रसारोहण) का खिंचाव उत्पन्न होता है और तापमान संतुलित रहता है। जब द्वार कोशिकाओं में जल प्रवेश करता है तो वे फूल जाती हैं और रंध्र खुल जाते हैं; जल बाहर निकलने पर वे सिकुड़ जाती हैं और रंध्र बंद हो जाते हैं।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 6 "जैव प्रक्रम" (स्वपोषी पोषण), p. 106–108;

प्र.9. 12वीं शताब्दी में चालुक्य/गंग वंश के शासनकाल में निर्मित कर्नाटक के श्रवणबेलगोला में विंध्यगिरि पहाड़ी पर स्थित 57 फीट ऊंची अखंड ग्रेनाइट मूर्ति किस जैन संत की है, जिनका प्रत्येक 12 वर्ष में 'महामस्तकाभिषेक' होता है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: भगवान बाहुबली (गोमतेश्वर प्रतिमा)

व्याख्या: कर्नाटक के हासन जिले के श्रवणबेलगोला में विंध्यगिरि पहाड़ी के शिखर पर स्थित भगवान बाहुबली (गोमतेश्वर) की 57 फीट (17.5 मीटर) ऊंची प्रतिमा विश्व की सबसे विशाल अखंड (Monolithic) मुक्त-खड़ी पाषाण मूर्तियों में से एक है। इसका निर्माण लगभग 981 ईस्वी में पश्चिम गंग राजवंश के सेनापति एवं मंत्री चामुंडराय ने करवाया था। बाहुबली प्रथम जैन तीर्थंकर ऋषभदेव के पुत्र थे, जिन्होंने सांसारिक साम्राज्य त्यागकर कठोर तपस्या और अहिंसा का मार्ग अपनाया था। इस भव्य प्रतिमा का प्रत्येक 12 वर्षों में एक बार दूध, दही, घी, केसर, चंदन और स्वर्ण पुष्पों से विश्वप्रसिद्ध 'महामस्तकाभिषेक' महोत्सव आयोजित किया जाता है।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 6 "मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला"; Archaeological Survey of India (ASI) Bengaluru Circle;

प्र.10. 1917 के चंपारण सत्याग्रह के दौरान महात्मा गांधी के सहयोगी रहे बिहार के किस प्रख्यात वकील और स्वतंत्रता सेनानी ने बाद में बिहार के प्रथम 'बिहार विभूति' और उप-मुख्यमंत्री के रूप में राज्य के निर्माण में अमूल्य योगदान दिया? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: डॉ. अनुग्रह नारायण सिंह

व्याख्या: डॉ. अनुग्रह नारायण सिंह (18 जून 1887 – 5 जुलाई 1957), जिन्हें जनता आदरपूर्वक 'बिहार विभूति' कहती है, आधुनिक बिहार के प्रमुख निर्माताओं और महात्मा गांधी के अत्यंत निकटस्थ सहयोगियों में से एक थे। 1917 में जब गांधीजी चंपारण पहुंचे, तो अनुग्रह बाबू ने अपनी वकालत छोड़कर राजेंद्र प्रसाद और ब्रजकिशोर प्रसाद के साथ मिलकर हजारों नीलहे किसानों के बयान दर्ज किए। असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा और भारत छोड़ो आंदोलन में उन्होंने अग्रणी भूमिका निभाई। स्वतंत्रता के बाद 1946 से 1957 तक वे बिहार के प्रथम उप-मुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री रहे और राज्य में औद्योगीकरण, सिंचाई व शिक्षा के विकास की आधारशिला रखी।

संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Freedom Struggle & Eminent Personalities; Dr. Rajendra Prasad — 'Champaran Mein Mahatma Gandhi';

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: नवंबर W3 – भूकंप से सुरक्षा एवं बचाव संबंधी जानकारी तथा मॉक ड्रिल) के अनुसार विद्यालयों में नियमित 'भूकंप मॉक ड्रिल' (Mock Drill) आयोजित करने के क्या मुख्य लाभ हैं और भूकंप के बाद मलबे में दब जाने पर 'सीटी' (Whistle) या दीवार पर थपथपाने की तकनीक जीवन बचाने में कैसे सहायक होती है? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: भय व भगदड़ समाप्त कर 60 सेकंड में सुरक्षित निकासी अभ्यास; ऊर्जा बचाकर बचाव दल को सटीक स्थान का संकेत देना

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (नवंबर W3: भूकंप से सुरक्षा एवं बचाव संबंधी जानकारी तथा मॉक ड्रिल) और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के जीवन-रक्षक प्रोटोकॉल के अनुसार: (1) मॉक ड्रिल (अभ्यास) का महत्व – वास्तविक आपदा के समय मानव मस्तिष्क घबराहट के कारण सही निर्णय नहीं ले पाता; विद्यालय में नियमित रूप से सायरन बजाकर 'ड्रॉप-कवर-होल्ड ऑन' और निकासी मार्गों (Evacuation Routes) का अभ्यास करने से बच्चों की मांसपेशीय स्मृति (Muscle Memory) विकसित होती है, जिससे वास्तविक भूकंप आने पर बिना धक्का-मुक्की और चीख-पुकार के 60 सेकंड के भीतर सभी छात्र खुले मैदान में सुरक्षित निकल जाते हैं; (2) मलबे में दबने पर जीवन-रक्षक संकेत – यदि दुर्भाग्यवश कोई व्यक्ति किसी ध्वस्त इमारत के मलबे में फंस जाए, तो लगातार जोर-जोर से चिल्लाने से बचें, क्योंकि चिल्लाने से अत्यधिक ऊर्जा नष्ट होती है और मुंह में धूल जाने से दम घुटने का खतरा बढ़ जाता है; इसके बजाय अपने मुंह-नाक को रूमाल या शर्ट से ढकें, और अपने पास मौजूद किसी लोहे के पाइप, पत्थर या दीवार पर रुक-रुक कर तीन-तीन बार खटखटाएं (Tap) अथवा सीटी बजाएं; ध्वनि तरंगें ठोस माध्यम से गुजरकर एनडीआरएफ (NDRF) और एसडीआरएफ (SDRF) के बचाव दल के संवेदनशील ध्वनि सेंसरों तक पहुँचती हैं, जिससे फंसे हुए व्यक्ति का सटीक स्थान पता चल जाता है।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module November W3 – "भूकंप से सुरक्षा एवं बचाव संबंधी जानकारी तथा मॉक ड्रिल";

प्र.12. एक व्यक्ति अपनी मासिक आय का 25% घर के किराये पर, 35% भोजन और शिक्षा पर तथा 15% परिवहन और अन्य खर्चों पर व्यय करता है। यदि इसके बाद उसके पास प्रतिमाह ₹7,500 की बचत होती है, तो बताइए उस व्यक्ति की कुल मासिक आय कितने रुपये है? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: ₹30,000

व्याख्या: यह 'प्रतिशत' (Percentage) के आय-व्यय और बचत संबंध पर आधारित एक मानक, तार्किक और प्रतियोगी परीक्षाओं का महत्वपूर्ण अंकगणितीय प्रश्न है।

माना कि उस व्यक्ति की कुल मासिक आय = 100% है। मासिक खर्चों का विवरण: 1. घर का किराया = 25%, 2. भोजन और शिक्षा = 35%, 3. परिवहन और अन्य खर्चे = 15% कुल प्रतिशत खर्च = 25\% + 35\% + 15\% = 75\%। अतः प्रतिशत बचत = \text{कुल आय} - \text{कुल खर्च} \text{बचत } \% = 100\% - 75\% = 25\%। प्रश्नानुसार, वास्तविक मासिक बचत = ₹7,500 है। अर्थात: 25\% = 7,500\text{ रुपये} 1\% = 7,500 / 25 = 300\text{ रुपये}। इसलिए कुल मासिक आय (100\%) = 300 \times 100 = 30,000\text{ रुपये}। (जाँच: ₹30,000 का 75% खर्च = ₹22,500; शेष बचत = 30,000 - 22,500 = 7,500 रुपये)। अतः उस व्यक्ति की कुल मासिक आय ठीक ₹30,000 है। संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 8 "राशियों की तुलना" [illegible]

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Abstruse (अब्स्ट्रूस) = Obscure (ऑब्स्क्योर) = अत्यंत कठिन / समझने में जटिल
Antonym – Intelligible (इन्टेलिजिबल) = आसानी से समझ में आने वाला / बोधगम्य
Cacophony (कैकॉफनी) = Discord (डिस्कॉर्ड) = कर्कश ध्वनि / बेसुरी आवाज़ों का समूह
Antonym – Harmony (हार्मनी) = मधुरता / सुरों का सामंजस्य
Deleterious (डेलिटीरियस) = Harmful (हार्मफुल) = हानिकारक / नुकसानदेह
Antonym – Beneficial (बेनेफिशियल) = लाभकारी / हितकर
Ephemeral (इफेमरल) = Transitory (ट्रांजिटरी) = क्षणभंगुर / अल्पकालिक
Antonym – Enduring (इन्ड्यूरिंग) = स्थायी / दीर्घकालिक
Garrulous (गैरुलस) = Talkative (टॉकटिव) = बहुत अधिक बोलने वाला / वाचाल
Antonym – Taciturn (टैसिटर्न) = कम बोलने वाला / अल्पभाषी



~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

1. Amit Shah to Inaugurate Two-Day Anti-Terror Conference in New Delhi
हिन्दी अनुवाद: केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह नई दिल्ली में दो दिवसीय 'आतंकवाद-रोधी सम्मेलन' का उद्घाटन करेंगे।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आतंकवाद के प्रति "ज़ीरो टॉलरेंस" नीति के अंतर्गत केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह 19 नवम्बर 2026 को नई दिल्ली में दो दिवसीय आतंकवाद-रोधी सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। सम्मेलन में आतंकवाद-विरोधी तंत्र, सुरक्षा एजेंसियों के समन्वय और नशे के खिलाफ राष्ट्रीय कार्ययोजना पर चर्चा होगी।

2. Lashkar Terrorist Lateef Bhat Killed in J&K Encounter
हिन्दी अनुवाद: जम्मू-कश्मीर में मुठभेड़ में लश्कर का आतंकवादी लतीफ भट मारा गया।
सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा के अंतिम सक्रिय आतंकवादी लतीफ भट को मार गिराया। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने JKP, सेना, CRPF और खुफिया एजेंसियों के जवानों को इस सफलता के लिए बधाई दी।

3. Rajnath Singh in Tokyo for India-Japan 2+2 Dialogue
हिन्दी अनुवाद: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भारत-जापान 2+2 वार्ता के लिए टोक्यो पहुँचे।
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भारत-जापान 2+2 विदेश एवं रक्षा मंत्री स्तरीय वार्ता में भाग लेने टोक्यो पहुँचे। यह वार्ता इंडो-पैसिफिक सुरक्षा, रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

4. Delhi-NCR Schools Resume Offline Classes
हिन्दी अनुवाद: दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों में नियमित ऑफलाइन कक्षाएँ फिर शुरू।
वायु गुणवत्ता से जुड़ी Stage-3 प्रतिबंध हटने के बाद दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों में नियमित ऑफलाइन कक्षाएँ बहाल हो गईं। पहले प्रदूषण नियंत्रण के दौरान hybrid learning लागू था।

5. Amazon to Invest $7 Billion in India's Renewable Projects by 2030
हिन्दी अनुवाद: अमेज़न 2030 तक भारत में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में $7 अरब निवेश करेगा।
अमेज़न ने 2030 तक भारत में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में $7 अरब (लगभग ₹58,000 करोड़) निवेश की योजना की घोषणा की है। यह कदम भारत के सौर और पवन ऊर्जा क्षेत्र, स्वच्छ ऊर्जा क्षमता तथा कार्बन-उत्सर्जन में कमी के लक्ष्यों के लिए महत्वपूर्ण है।

INTERNATIONAL NEWS

1. Trump, Xi and Putin to Hold Trilateral Meeting in China
हिन्दी अनुवाद: चीन में ट्रम्प, शी जिनपिंग और पुतिन के बीच त्रिपक्षीय बैठक।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प APEC शिखर सम्मेलन के लिए शेनज़ेन पहुँचे, जहाँ चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ त्रिपक्षीय बैठक की तैयारी है। यह बैठक वैश्विक व्यापार, सुरक्षा और पश्चिम एशिया में बढ़ रहे तनाव के संदर्भ में महत्वपूर्ण है।

2. US Attacks Iran's Qeshm Island Near Strait of Hormuz
हिन्दी अनुवाद: अमेरिका ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरान के क़ेश्म द्वीप पर हमला किया।
अमेरिका ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य के पास स्थित ईरान के क़ेश्म द्वीप पर हमला किया। ईरान के सेना प्रमुख ने आगे किसी हमले की स्थिति में "और अधिक विनाशकारी" जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है; सऊदी अरब की रियाद में भी विस्फोट की खबरें आईं।

3. Pakistani National Jailed in US for Trump Assassination Plot
हिन्दी अनुवाद: ट्रम्प की हत्या की साजिश के आरोप में पाकिस्तानी नागरिक को अमेरिका में 27 साल की सजा।
अमेरिकी संघीय अदालत ने ईरान-समर्थित डोनाल्ड ट्रम्प हत्या षड्यंत्र के आरोप में पाकिस्तानी नागरिक आसिफ मर्चेंट को 27 वर्ष 6 माह की जेल सजा सुनाई। यह मामला अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और ईरान से जुड़े खतरों पर केंद्रित है।

4. Israel Parliament Elects New Speaker; Blow for Netanyahu
हिन्दी अनुवाद: इजराइल संसद ने नए स्पीकर का चुनाव किया; नेतन्याहू के लिए झटका।
इजराइल की संसद ने गदी आइज़नकोट के समर्थक नए स्पीकर का चुनाव किया, जिसे प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए राजनीतिक झटका माना जा रहा है। यह घटना इजराइली राजनीति में सत्तारूढ़ गठबंधन की स्थिरता पर असर डाल सकती है।

BIHAR NEWS

1. Betiya Jewellery Showroom Loot: Goods Worth ₹30-40 Crore Reported Stolen
हिन्दी अनुवाद: बेतिया में ज्वेलरी शोरूम लूट — ₹30-40 करोड़ के गहनों की लूट की खबर।
बिहार के बेतिया में ग्राहक बनकर घुसे अपराधियों ने एक ज्वेलरी शोरूम से कथित रूप से ₹30 से 40 करोड़ रुपये के गहने लूट लिए और फरार हो गए। पुलिस ने CCTV फुटेज और साक्ष्यों की जाँच शुरू कर दी है; राज्य में इससे पहले पटना, पूर्णिया और आरा में भी ऐसी वारदातें हो चुकी हैं।

2. Bihar Stuns Delhi in Syed Mushtaq Ali Trophy
हिन्दी अनुवाद: सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बिहार ने दिल्ली को हराया।
सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 के Elite Group मुकाबले में बिहार ने दिल्ली को 2 विकेट से हराया। दिल्ली के यश धुल की 59 गेंदों पर 125 रन की तूफानी पारी के बावजूद बिहार ने रोमांचक जीत दर्ज की।

SPORTS NEWS

1. India vs New Zealand — 1st Test Begins in Wellington
हिन्दी अनुवाद: भारत बनाम न्यूज़ीलैंड — पहला टेस्ट वेलिंगटन में शुरू।
भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच पहला टेस्ट 19 नवम्बर को वेलिंगटन के Basin Reserve में शुरू हुआ। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी की; दूसरा टेस्ट 27 नवम्बर को क्राइस्टचर्च के Hagley Oval में खेला जाएगा।

2. Yuzvendra Chahal Becomes First Indian to Take 400 T20 Wickets
हिन्दी अनुवाद: युजवेंद्र चहल T20 में 400 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज़ बने।
हरियाणा के लिए खेलते हुए युजवेंद्र चहल ने तमिलनाडु के खिलाफ 4 ओवर में 3 विकेट लेकर T20 क्रिकेट में 400 विकेट पूरे किए। वे यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय गेंदबाज़ बने।

3. PV Sindhu Returns to World Top Five
हिन्दी अनुवाद: पी.वी. सिंधु चार साल बाद बैडमिंटन विश्व रैंकिंग के शीर्ष पाँच में लौटीं।
भारतीय बैडमिंटन स्टार पी.वी. सिंधु BWF विश्व रैंकिंग में एक स्थान आगे बढ़कर पाँचवें स्थान पर पहुँच गईं। चार वर्ष बाद वे पुनः विश्व के शीर्ष पाँच खिलाड़ियों में शामिल हुईं।



संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

📌 Current Affair of the Day

विषय: India-Japan 2+2 Dialogue
Q. भारत-जापान 2+2 वार्ता में '2+2' का अर्थ क्या है और इसका उद्देश्य क्या है?
उत्तर:
भारत-जापान 2+2 वार्ता में दोनों देशों के विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री भाग लेते हैं। इसका उद्देश्य द्विपक्षीय रक्षा सहयोग, इंडो-पैसिफिक सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती और क्षेत्रीय चुनौतियों पर समन्वित नीति बनाना है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 19 नवम्बर 2026 को इस वार्ता के लिए टोक्यो पहुँचे।
पहली 2+2 वार्ता: 2019
भागीदार: भारत के विदेश एवं रक्षा मंत्री; जापान के विदेश एवं रक्षा मंत्री
मुख्य क्षेत्र: Defence cooperation, maritime security, Indo-Pacific, technology and supply-chain resilience
महत्व: यह भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक भागीदारी का प्रमुख संवाद मंच है।

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

मीठी वाणी की शक्ति

प्राचीन मगध के बाजार में देवशील नाम का एक व्यापारी था। उसके पास अच्छी वस्तुएँ और पर्याप्त धन था, लेकिन उसकी वाणी इतनी कठोर थी कि ग्राहक उससे बात करने से भी कतराते थे।

एक दिन उसका विवाद एक वृद्ध ग्राहक से हो गया। व्यापारी ने सबके सामने उसका अपमान कर दिया। वृद्ध व्यक्ति बिना सामान खरीदे लौट गया।

यह देखकर पास खड़े आचार्य चाणक्य ने व्यापारी से पूछा, "तुम्हारी वस्तुएँ अच्छी हैं, फिर भी लोग तुम्हारी दुकान पर आना क्यों पसंद नहीं करते?"

व्यापारी बोला, "लोगों को अच्छी वस्तु की कीमत समझ नहीं आती।"

चाणक्य ने एक सिक्का उठाकर उसकी ओर बढ़ाया और कहा, "इसे इस वृद्ध व्यक्ति को दे आओ और उससे क्षमा माँगो।"

व्यापारी ने अनिच्छा से वैसा ही किया। वृद्ध ने क्षमा स्वीकार कर ली, लेकिन सामान नहीं खरीदा।

व्यापारी लौटकर बोला, "आचार्य, मैंने क्षमा भी माँगी और सिक्का भी दिया, फिर भी वह नहीं माना।"

चाणक्य ने समझाया, "तुमने उसे सिक्का दिया, सम्मान नहीं। धन से वस्तु खरीदी जा सकती है, लेकिन विश्वास नहीं।"

अगले दिन व्यापारी ने अपनी दुकान पर आने वाले प्रत्येक ग्राहक का सम्मानपूर्वक स्वागत किया। शिकायत सुनते समय बीच में बोलना बंद किया और गलती होने पर बिना बहाना बनाए क्षमा माँगी।

कुछ समय बाद उसकी दुकान फिर से ग्राहकों से भरने लगी।

व्यापारी ने चाणक्य से कहा, "आचार्य, मेरी दुकान पहले भी वही थी, वस्तुएँ भी वही थीं, केवल बोलने का तरीका बदला है।"

सीख: मधुर वाणी कमजोरी नहीं, बल्कि व्यक्तित्व की शक्ति है। सम्मानपूर्वक बोले गए शब्द ऐसे संबंध बना सकते हैं, जिन्हें धन से नहीं खरीदा जा सकता।



.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"माथा-पच्ची"

आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-37

सोचो... समझो... हल करो...

					9	1		
			5					
7				8				2
6				5			8	
1								7
	3		7			5		4
					5	9	3	6
		6	1	7		4		
					3			

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक 3×3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।

आज का विचार

"धैर्य और निरंतरता से बड़े से बड़ा कार्य संभव है।"

— चाणक्य

याद रखे

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

4	8	3	2	6	9	1	7	5
9	6	2	5	1	7	8	4	3
7	1	5	3	8	4	6	9	2
6	2	7	4	5	1	3	8	9
1	5	4	9	3	8	2	6	7
8	3	9	7	2	6	5	1	4
2	7	1	8	4	5	9	3	6
3	9	6	1	7	2	4	5	8
5	4	8	6	9	3	7	2	1

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।



श्रीमद्भगवद्गीता – अध्याय 11, श्लोक 55
मत्कर्मकृन्मत्परमो मद्भक्तः सङ्गवर्जितः।
निर्वैरः सर्वभूतेषु यः स मामेति पाण्डव॥

सरल हिन्दी अर्थ:
हे पाण्डव (अर्जुन)! जो मनुष्य केवल मेरे लिए ही (उच्चतर सत्य और कर्तव्य के लिए) संपूर्ण कर्म करने वाला है, मुझे ही परम आश्रय मानने वाला है, मेरा निष्ठावान भक्त है, आसक्ति (अहंकार और फल के मोह) से रहित है और संपूर्ण प्राणियों के प्रति वैर-भाव (द्वेष) से मुक्त है—वही मुझे प्राप्त होता है।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ
आदि शंकराचार्य ने इस श्लोक को "संपूर्ण गीता का सार" कहा है। विराट विश्वरूप के दर्शन के बाद, श्रीकृष्ण जीवन जीने के पाँच व्यावहारिक स्तंभ (Five Pillars of a Fulfilled Life) स्थापित करते हैं:

- मत्कर्मकृत् (Purpose-Driven Action): अपने दैनिक कार्यों को केवल निजी स्वार्थ, वेतन या अहंकार की तुष्टि के लिए नहीं, बल्कि समाज, व्यवस्था और परम कर्तव्य की सेवा के रूप में करना।
- मत्परमः (Highest North Star): जीवन में धन, पद या प्रशंसा को सर्वोच्च लक्ष्य न बनाकर सत्य, नैतिकता और उच्चतर आदर्शों को ही अपना परम सहारा मानना।
- मद्भक्तः (Devotion & Integrity): अपने सिद्धांतों और कर्तव्य के प्रति अटूट प्रेम और निष्ठा रखना।
- सङ्गवर्जितः (Emotional Non-Attachment): सफलता मिलने पर घमंड से बचना और विफलता या आलोचना मिलने पर अवसाद में न डूबना—अर्थात परिस्थितियों से चिपके बिना आगे बढ़ना।
- निर्वैरः सर्वभूतेषु (Zero Malice): यह सबसे कठिन और महत्वपूर्ण कसौटी है—किसी भी प्राणी, विरोधी या आलोचक के प्रति मन में कड़वाहट, प्रतिशोध या घृणा न रखना।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-8

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम पायदान पर बैठे छात्र तक पहुंचता है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं।ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की।जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन



सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, लत्वी का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम रिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राय, मनीज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।


प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि मॉडल से सर्वांगीण

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक, सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

पूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर:

पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा:

'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त



"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

"वेदों की ओर लौटो" के उद्घोषक और आर्य समाज के संस्थापक: स्वामी दयानंद सरस्वती

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी किसी ऐसे निर्भीक संन्यासी के बारे में सुना है, जिसने समाज में फैले अंधविश्वास, छुआछूत और कुरीतियों को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए अकेले ही बिगुल फूँक दिया था? उन्होंने पूरे देश को 'स्वराज्य' का मंत्र दिया और कहा था कि विदेशी शासन चाहे कितना भी अच्छा क्यों न हो, वह अपने देश के शासन (स्वराज्य) की बराबरी कभी नहीं कर सकता। वे थे महान समाज सुधारक, युगद्रष्टा और आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती!

स्वामी दयानंद सरस्वती का जन्म 12 फरवरी 1824 को गुजरात के काठियावाड़ क्षेत्र (मोरबी रियासत) के 'टंकारा' गाँव के एक संपन्न और विद्वान औदीच्य ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता श्री करशनजी लालजी तिवारी एक समृद्ध ज़मींदार और राजस्व अधिकारी थे, जो बड़े अनुशासनप्रिय और धार्मिक स्वभाव के थे। उनकी माता श्रीमती यशोदाबाई अत्यंत स्नेहमयी, दयालु, धर्मपरायण और ममता की मूरत थीं। माता-पिता ने बालक का नाम 'मूलशंकर' रखा था, क्योंकि उनका जन्म मूल नक्षत्र में हुआ था।

नन्हे मूलशंकर बचपन से ही गज़ब के कुशाग्र बुद्धि, साहसी और जिज्ञासु स्वभाव के बालक थे। मात्र चौदह वर्ष की उम्र में उन्होंने संस्कृत व्याकरण और यजुर्वेद के अनेक मंत्र कंठस्थ कर लिए थे। उनके जीवन को पूरी तरह बदल देने वाली घटना महाशिवरात्रि की एक रात को घटी। चौदह वर्षीय मूलशंकर अपने पिता के साथ गाँव के शिव मंदिर में रात भर जागरण कर रहे थे। आधी रात के बाद मंदिर के पुजारी और सभी भक्त सो गए, पर नन्हे मूलशंकर आँखें खोलकर जागते रहे। तभी उन्होंने देखा कि एक नन्हा चूहा बिल से निकला, शिवलिंग पर चढ़कर प्रसाद खाने लगा और मूर्ति के ऊपर उछल-कूद करने लगा।

यह दृश्य देखकर बालक मूलशंकर के मन में गहरे सवाल उठने लगे। उन्होंने सोचा कि जो प्रतिमा अपनी रक्षा खुद एक छोटे से चूहे से नहीं कर सकती, वह पूरे संसार की रक्षा कैसे करेगी? सच्चे ईश्वर का स्वरूप क्या है? इसी सत्य की खोज में इक्कीस वर्ष की आयु में उन्होंने घर त्याग दिया और भारत भर के जंगलों, पर्वतों और तीर्थों में भ्रमण करने लगे। स्वामी पूर्णानंद जी से संन्यास की दीक्षा लेकर वे 'मूलशंकर' से 'स्वामी दयानंद सरस्वती' बने। मथुरा में प्रज्ञाचक्षु (नेत्रहीन) गुरु स्वामी विरजानंद जी से उन्होंने वेदों और शास्त्रों का वास्तविक व शुद्ध ज्ञान प्राप्त किया। गुरुदक्षिणा में स्वामी विरजानंद जी ने उनसे कहा—"जाओ, संसार में फैले अज्ञान और अंधविश्वास के अंधकार को वेदों के ज्ञान से दूर करो।"

गुरु की आज्ञा पाकर स्वामी दयानंद जी ने 10 अप्रैल 1875 को मुंबई में 'आर्य समाज' की स्थापना की। उन्होंने पूरे देश को अमर नारा दिया—"वेदों की ओर लौटो!" उन्होंने बाल विवाह, सती प्रथा और जातिगत भेदभाव का पुरज़ोर विरोध किया तथा स्त्रियों और दलितों को वेद पढ़ने व यज्ञोपवीत धारण करने का अधिकार दिलाया। उन्होंने हिंदी भाषा को राष्ट्र की एकता की भाषा बताते हुए अपना प्रसिद्ध अमर ग्रंथ 'सत्यार्थ प्रकाश' लिखा।

कट्टरपंथियों ने उन्हें कई बार विष देकर मारने की कोशिश की, पर वे सदैव क्षमाशील बने रहे। 30 अक्टूबर 1883 को अजमेर में इस महान कर्मयोगी ने अंतिम साँस ली। उनके विचारों से प्रेरित होकर ही देश भर में 'दयानंद एंग्लो-वैदिक' (DAV) स्कूलों और गुरुकुलों की स्थापना हुई। प्यारे बच्चों, स्वामी दयानंद सरस्वती का पावन जीवन हमें सिखाता है कि किसी भी बात पर आँख मूँदकर विश्वास मत करो, हमेशा तर्क और सत्य की खोज करो तथा निडर होकर समाज की भलाई के लिए काम करो।



.....✍

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2



Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।



संपादक:-
शैलेन्द्र कुमार
'प्रधान शिक्षक'
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)
📱 -9939671700

आज का विचार:

श्रेष्ठ जीवन का सूत्र अत्यंत सरल और स्पष्ट है: अपने हर कार्य को एक पवित्र कर्तव्य मानकर कीजिए, परिणामों की आसक्ति छोड़िए, और अपने हृदय को किसी भी व्यक्ति के प्रति वैर या कड़वाहट से पूरी तरह मुक्त रखिए।

+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org